बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

03 अप्रैल 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 65
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

डीएम का एक्शन

❑ एआरओ को प्रतिकूल प्रविष्टि, एसएमओ का हो गया निलम्बन

संवाददाता

देहरादून। गुलरघाटी अन्न भण्डारण में अनियमितता पाये जाने पर एसएमओ को निलम्बित कर एआरओ को प्रतिकूल प्रविष्टि कर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा प्रशासन की टीम के साथ गुलरघाटी अन्न भण्डारण में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान अनिमितता पाए तथा मिक्स इंडिकेटर मैथर्ड से परीक्षण के दौरान क्विंटलों अनाज के सैम्पल फेल होने पर रखरखाव व्यवस्था, स्टॉक रजिस्टर मैंटेन न होने आदि कई कमियां पाई गई थी, जिस पर डीएम ने एसएमओ को निलंबित करने तथा लापरवाही पर एआरओ को प्रतिकूल प्रविष्टि के निर्देश दिए थे। विगत सप्ताह से लगातार 5 घंटे जिला प्रशासन की टीम ने गोदाम में रिकार्ड जांच किये और अनाज की सैम्पलिंग कराई। मुख्य विकास अधिकारी को जांच अधिकारी नामित करते हुए सम्बन्धित कार्मिकों के विरूद्ध उत्तरांचल सरकारी सेवक नियमावली-2003 के अन्तर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए जांच आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है। मामले में एसएमओ विष्णु प्रसाद त्रिवेदी को निलम्बित और एआरओ अजय रावत को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गयी। निलम्बित कार्मिक विष्णु प्रसाद त्रिवेदी मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय से सम्बद्ध रहेंगे। गोदाम प्रभारी/वरिष्ठ विपणन अधिकारी की इन अनियमितताओं के लिए मुख्य भूमिका रही है, जो भण्डारण, खरीद गुणवत्ता नियंत्रण एवं प्राप्ति हेतु उत्तरदायी मानते हुए उन पर निलम्बन की कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार एआरओ अजय रावत की भूमिका लापरवाह एवं संदिग्ध प्रतीत हुई है जो जिले के आन्तरिक गोदामों व सरकारी सस्ता गल्ला दुकानों की प्राप्ति हेतु उत्तरदायी हैं एवं बगैर गुणवत्ता सुनिश्चित किए ही अनाज को जिले के निर्बल वर्ग, धात्री महिलाओं, नौनिहालो व बुजुर्गों के सेवन हेतु प्राप्त कर वितरित किया जा रहा है। नकरौंदा स्थित इस अन्न भण्डार से सम्पूर्ण गढ़वाल क्षेत्र के साथ जनपद के आन्तरिक गोदामों, सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों, आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाले नौनिहालों, धात्री माताओं व राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को मिड-डे मील उपभोग के लिए आपूर्ति की जाती है। जनमानस सा जुड़ा विषय होने के कारण डीएम ने सख्त प्रर्वतन कार्यवाही का मन बना लिया है। निरीक्षण के दौरान अन्न भण्डार प्रबन्धन एवं संचालन में सम्बन्धित नियमों व दिशा-निर्देशों के उल्लंघन व गहन अनियमितताएं परिलक्षित हुई थी। मौके पर अनाज का भण्डारण अनुचित पाया गया। रैक जो अनाज को नमी, रैट ट्रेप जो चूहों, कीट से सुरक्षित करते हैं नहीं पाये गये। अनाज के बोरों का वजन नियमानुसार कट्टा सहित 50.5 किलोग्राम होता है, परन्तु 50.5 किलोग्राम वजन के सापेक्ष गेहू के बोरे का औसतन वजन 43 किलोग्राम, व चावल के बोरों का औसतन वजन 47 किलोग्राम मौके पर होना पाया गया, जो भारी अनियमितता पाई गई। निरीक्षण के दौरान इन्वेंटरी मैजनेमेंट स्टॉक रजिस्टर अनैतिक ढंग से अपूर्ण अहस्ताक्षरित पाए गए थे और अधिकतर रजिस्टर के अंकन में अत्यधिक भिन्नता थी। अनाज के स्टैक पर स्टैक कार्डस अधिकांश जगह पर डिस्प्ले नहीं थे और जहां पर थे भी उन पर स्थान, तिथि वजन की तिथि, बोरियों की संख्या अंकित नहीं थी। स्टाक रजिस्टर अंकन एवं भौतिक सत्यापन मध्य भी अत्यधिक अन्तर पाया गया। फिफो (फर्स्ट इन फर्स्ट आउट) जो अन्न भण्डारण प्रबन्धन का मौलिक नियम है के किसी भी नियम का पालन किया जाना नहीं पाया गया। न तो फिफो रजिस्टर मैंटेन किये गये और न ही प्रथम आवत माल की प्रथम निकासी की गयी।

गुणवत्ता परीक्षण अनाज की गुणवत्ता जांचने हेतु चावल के 61 नमुने लिए गये, जिसमें से 26 नमूने फेल पाये गये जो रद्द श्रेणी अन्तर्गत घोषित किये गये है। भारतीय खाद्य निगम द्वारा जारी एसओपी मिक्स इंडिकेटर मैथर्ड के अनुसार रद्द श्रेणी में पाये गये हैं। उक्त समस्त अनियमितताऐं खरीफ खरीद नीति 2024-25 एवं उपभोक्ता मामले अनुभाग-2, दिनांक 30 सितम्बर, 2024 एवं भारतीय खाद्य निगम द्वारा जारी एसओपी मिक्स इंडिकेटर मैथर्ड में राजकीय अन्न भण्डारों में अनाज के सुव्यवस्थित भण्डारण एवं गुणवत्ता नियंत्रण हेतु जारी निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मनमानी फीस वसूली

निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए अब शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाने का फैसला लिए जाने से अभिभावकों को राहत मिलने की उम्मीद है। जिला प्रशासन द्वारा गठित की गई जांच समिति की जांच में कई चौंकाने वाले सत्य सामने आए हैं। भले ही सरकार द्वारा इन स्कूलों के लिए फीस स्ट्रेक्चर को लेकर कोई कानून नहीं बनाया गया है लेकिन नियमों के अनुसार इन स्कूलों द्वारा 3 साल में 10 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि नहीं की जानी चाहिए। जबकि समिति की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि लगभग सभी स्कूलों द्वारा बीते 5 सालों में इससे अधिक फीस वृद्धि की गई है बहुत सारे स्कूलों ने इन 5 सालों में 40 फीसदी तक फीस बढ़ाई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है की फीस वृद्धि का यह मामला सिर्फ ट्यूशन फीस बढ़ाये जाने तक ही सीमित नहीं है अभी तो एडमिशन फीस में भी भारी बढ़ोतरी की गई है। एडमिशन फीस में तमाम अलग-अलग मदों जोड़कर यह वसूली हो रही है। जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट पर शासन स्तर पर क्या कार्रवाई की जाती है यह अभी तय नहीं है लेकिन तमाम स्तरों पर इन स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग जरूर हो रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा निजी स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली की शिकायत करने के लिए टोल फ्री नंबर के साथ-साथ वेबसाइट भी लॉन्च कर दी गई है जिस पर कोई भी अभिभावक इसकी शिकायत कर सकता है। सवाल सिर्फ इन स्कूलों द्वारा वसूल की जाने वाली मनमानी फीस का नहीं है। इन निजी स्कूलों द्वारा शिक्षा का जिस तरह से व्यवसायीकरण किया जा रहा है उसका है। इन निजी स्कूलों की किताबों से लेकर ड्रेस तक तथा ट्रांसपोर्ट आदि सभी को अपनी आय के जरिए में शामिल कर लिया गया है। किसी भी स्कूल में किस पब्लिशर की किताबें पढ़ाई जाएगी, किस किताब की दुकान से किताबें और स्कूल की ड्रेस खरीदनी है इस पर भी उनकी मोनोपोली चलती है। अभी बीते दिनों इसकी शिकायत पर गौर करते हुए डीएम दून के निर्देशन पर कुछ पुस्तक विक्रेताओं की दुकानों पर छापेमारी की गई थी। हद तो यह है कि बीते साल की किताबों को सिर्फ उनका कवर बदलकर नये एडिशन की बनाकर बेचा जा रहा है। बच्चों को स्कूल भेजना और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाने की चाहत रखने वाले तमाम लोगों का किस स्तर पर उत्पीड़न और दोहन इन निजी स्कूलों द्वारा किया जाता रहा है। निश्चित तौर पर यह आम आदमी की एक बड़ी समस्या है खास तौर पर उन लोगों को जिनकी आय के सीमित साधन है। उनका अपने बच्चों को पढ़ा पाना अत्यंत मुश्किल हो रहा है। अच्छा होता कि सरकार सरकारी स्कूलों में निजी स्कूलों से बेहतर शिक्षा दिलाने की व्यवस्था कर पाती अगर यह संभव नहीं है तो इन निजी स्कूलों के लिए सरकार फीस का स्ट्रेक्चर तय करने वाले नियम व कानून तो बनाने ही चाहिए और उनका पालन न करने वाले स्कूलों की मान्यता समाप्त करने जैसे कठोर कदम उठाने चाहिए जिससे इन स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाई जा सके।

सम्पत्ति कब्जाने को लेकर किया भाई-भाभी पर हमला

संवाददाता

देहरादून। सम्पत्ति कब्जाने को लेकर भाई भाभी पर हमला कर घायल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तुनवाला रोड रांझावाला निवासी रेखा सक्सेना ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पति सुनील सक्सैना पुत्री अन्नीयां व सास लीलावती के साथ अपने मकान रायपुर रांझावाला तुनवाला रोड देहरादून में रहती है। उसके दोनों देवर सन्दीप व राजीव अपनी अपनी पत्नियों सुषमा तथा त्रिशला के साथ पास में बने मकान में निवास करते है उसके ससुर की मृत्यु हो जाने के बाद से उसके दोनों देवर व उनकी पत्नियों ने ससुर की प्रोपर्टी को अपने नाम करवाने के लिए आये दिन उससे उसके पति पुत्री व सास के साथ माँ बहन की गन्दी गन्दी गालियाँ व मारपीट करते रहते है जिसके खिलाप उसने थाने में कई बार रिपोर्ट लिखकर दी थी उस पर पुलिस वालों ने कोई कार्यवाही नही की।

आज सुबह लगभग 6.30 से 7 बजे के करीब वह अपने परिवार के साथ मकान में थी तभी उसके दोनों देवर सन्दीप व राजीव और उनकी पत्नियां सुषमा ओर त्रिशला अपने हाथों में पाठल डन्डे व ईट लेकर उनके ऊपर हमला किया और ये लोग उनके खिलाप थाने में बहुत रिपोर्ट करते थे वह इनके खिलाप जबकी उनके सीसीटीवी कैमरे में सब कुछ रिकोर्ड है वह यह चाहते है इन सभी को जान से मारकर प्रोपर्टी अपने नाम कर ले यह कहते हुए सन्दीप व सुषमा ने अपने हाथों में लिए हुए डण्डो से वार करने लगे उनको देखते हुए राजीव व त्रिशला ने भी अपने हाथों में लिए हुए पाठल व ईट से माँ बहन की गन्दी गन्दी गालीया देते हुए वार करने लगे जिससे हमें काफी चोटें आयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गोवंश संरक्षण हेतु ब्लॉक स्तर पर हो गौशालाओं की व्यवस्थाः नेगी

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि इनके संरक्षण हेतु ब्लॉक स्तर पर गौशालाओं की व्यवस्था होनी चाहिए।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जिस तरह से गोवंश की हत्याएं हो रही हैं, उसके लिए जरूरी है कि सरकार गाय (गोवंश) को राज्य पशु का दर्जा देकर इनका संरक्षण करने की दिशा में काम कर। यह अलग बात है कि राज्य पशु कस्तूरी मृग है, लेकिन सरकार चाहे तो मृग एवं गाय (गोवंश) दोनों को राज्य पशु घोषित करने की दिशा में कार्रवाई कर सकती है। नेगी ने कहा कि राज्य पशु घोषित कर हत्यारों/ परिवहन करने वालों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने एवं अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का प्रावध ान हो, अगर सरकार ईमानदारी से गोवंश को का संरक्षण करना चाहती है। नेगी ने कहा कि इनके संरक्षण हेतु ब्लॉक स्तर पर गौशालाओं की व्यवस्था हो एवं इस घिनोने कारोबार में लिप्त पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी हत्यारों के समान धाराओं में मुकदमा दर्ज होना चाहिए तभी गोवंश का संरक्षण हो सकता है।

नेगी ने कहा कि सरकार सिर्फ कानून बनाकर अपना पहला झाड़ लेती है, लेकिन सड़क किनारे जब यह गोवंश पॉलिथीन, कांच नुकीले समान व अन्य प्रकार का गंध खाती है, वो सरकार को नहीं दिखता और न हीं संरक्षण की बात करने वालों का। इन हत्याओं (वध) के चलते पूरी मुस्लिम कौम बदनाम होती है तथा समाज में बदअमनी का भी डर रहता है। सरकार को यह भी देखना चाहिए कि गोवंश एवं अन्य आवारा पशुओं की वजह से लोगों के खेत खलिहान भी नष्ट होते हैं एवं अक्सर दुर्घटनाओं का भी डर रहता है, जिसके लिए गौशालाएं अति आवश्यक है। मोर्चा शीघ्र ही गाय को राज्य पशु का दर्जा दिलाने एवं हत्यारों (वध करने वालों) के खिलाफ कठोर कार्यवाही/ सजा का प्रावधान हेतु शासन में दस्तक देगा। पत्रकार वार्ता में विजय राम शर्मा, प्रवीण शर्मा पिन्नी व संतोष शर्मा मौजूद थे।

डबल इंजन का दम - बीते एक साल में बनी 814 किमी लंबी ग्रामीण सड़कें

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत हाल में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान 814 किमी लंबी सड़कों का निर्माण किया गया। राज्य की प्रगति को देखते हुए भारत सरकार ने योजना के तीसरे चरण में स्वीकृत 09 पुलों के निर्माण के लिए भी बजट जारी कर दिया है।

उत्तराखण्ड राज्य में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में रू0 900 करोड़ के वित्तीय लक्ष्यों के सापेक्ष लगभग रू0 933 करोड़ की धनराशि व्यय की गई है, जो विगत वर्ष 2023-24 में किये गये व्यय से रू0 133 करोड़ अधिक है। इसी प्रकार भौतिक उपलब्धि में भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में 814 किमी लम्बाई में मार्गों का निर्माण किया गया है, जो वर्ष 2023-24 की उपलब्धि 206 किमी अधिक है। इस बीत गत वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन पीएमजीएसवाई -3 के अन्तर्गत 09 सेतुओं के निर्माण के लिए 40.77 करोड़ की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हो गई है।

इधर, विभाग ने पीएमजीएसवाई-4 के तहत 1490 सड़क विहीन बसावटों को चिन्हित कर प्रथम चरण में लगभग 8500 किमी सड़कों निर्माण का सर्वे पूरा करते हुए, डीपीआर पर काम शुरू कर दिया है। विभाग ने कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों के अतिरिक्त एक विशेष निरीक्षण एप तैयार किया है। एप के माध्यम से फील्ड अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले निरीक्षणों को नियमित रूप से अंकित किया जा रहा है, जिससे उच्चाधिकारियों द्वारा मार्गों की गुणवत्ता का अनुश्रवण करना सुलभ हो गया है। भारत सरकार स्तर पर भी इस पहल की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को इसे अपनाने को कहा है। विदित है कि सड़क विहीन गांवों के लिए केंद्र सरकार की ओर से वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना शुरु की गई थी। योजना के प्रथम तीन चरणों में न्यूनतम 500 की आबादी वाले गांवों को सड़कों से जोड़ने का काम करीब- करीब पूरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए राज्य की छोटी - छोटी बसावटों को सड़क से जोड़ने का काम किया जा रहा है। हाल के सम्पन्न वित्तीय वर्ष में विभाग ने उल्लेखनीय कार्य किया है, अब हम चौथे चरण में शेष बसावटों को बराहमासी सड़क से जोड़ने का काम करेंगे।

मकवाना के सफाई कर्मचारी आयोग का उपाध्यक्ष बनने पर किया स्वागत

संवाददाता

देहरादून। भगवत प्रसाद मकवाना के राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर उनका भाजपा महानगर कार्यालय में स्वागत किया गया।

आज यहां पूर्व एनएचपीसी निदेशक एवं केन्द्रीय निगरानी समिति (समाज कल्याण विभाग) भगवत प्रसाद मकवाना को उत्तराखंड राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर उनका भाजपा महानगर कार्यालय में स्वागत किया गया। भाजपा महानगर कार्यालय में 06 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल संविधान विद डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बताओ मुख्य वक्ता भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार ने मंडल स्तर पर बैठक कर कार्यक्रम आयोजित करने को कहा। उन्होंने हिदायत देते हुए कहा कि मौजूदा समय में राजनीति को टाइम पास या शौक के लिए नहीं समझ जाना चाहिए। विपक्ष द्वारा सरकार के खिलाफ किए जा रहे दुष्प्रचार को असफल करने के लिए हम सबको सोशल मीडिया के क्षेत्र में भी निपुण रहना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रारम्भ से ही बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की विचारधारा के खिलाफ रही है हमें जनता के बीच में यह प्रश्न छोड़ना चाहिए कि डॉ अंबेडकर को चुनाव हराने का काम भी कांग्रेस ने ही किया था और कभी भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया। जबकि भाजपा की केन्द्र सरकार ने बाबा साहेब के सम्मान में उन्हें भारत रत्न देने एवं पांच तीर्थ का निर्माण कराया गया। इसी कड़ी में उत्तराखंड सरकार में नामित किए गए वन पंचायत सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार, राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना एवं आवास सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष श्याम अग्रवाल को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल, महापौर सौरभ थपलियाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, विधायक सविता कपूर, भाजपा के प्रांतीय नेता अनिल गोयल, पुनीत मित्तल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा नेहा जोशी के अलावा महानगर के सभी मण्डल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन होने पर अपनाएं ये नुस्खा, मिल सकती है राहत

खूबसूरत दिखने के लिए महिलाओं को बहुत सारे ताम-झाम से गुजरना पड़ता है। कभी उन्हें हाथ-पैर में वैक्सिंग करवाते समय दर्द झेलना पड़ता है तो कभी आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन सहनी पड़ती है।

आजकल महिलाओं के अलावा कई सारे पुरुष भी आईब्रो सेट कराते हैं। इसको करवाने के बाद चेहरा काफी अलग और अच्छा दिखने लगता है। थ्रेडिंग कराने में दर्द तो होता ही है, लेकिन उसके बाद कई लोगों को जलन भी होती है। अगर आपको भी ये दिक्कत है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर थ्रेडिंग के बाद आपकी त्वचा लाल हो जाती है और उस पर जलन होने लगती है तो आपको कुछ नुस्खे अपनाने चाहिए। इनसे आपको काफी राहत मिलेगी। आइए जानते हैं इसके बारे में।

जलन होने पर एलोवेरा जेल लगाएं

आईब्रो थ्रेडिंग कराने के बाद अगर आपको जलन महसूस हो रही है तो आपको एलोवेरा जेल लगाना चाहिए। इससे त्वचा को ठंडक मिलेगी। एलोवेरा जेल को प्रभावित जगह पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें।

कॉटन बॉल से लगाएं गुलाब जल

अगर आपको जलन हो रही है तो आप गुलाब जल का इस्तेमाल करें। त्वचा को हाइड्रेटेड बनाता है। इसके इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आईब्रो के आसपास लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें। इससे भी आपको तत्काल राहत मिलेगी।

शहद करेगा जलन कम

शहद में पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और मॉइश्चराइजिंग गुण जलन को कम करते हैं। हल्की मात्रा में शुद्ध शहद लें और जलन वाली जगह पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें।

प्रभावित जगह पर रखें खीरे की स्लाइस

जलन कम करने के लिए आप प्रभावित जगह पर खीरे की स्लाइस रखें। इसे 5-10 मिनट तक रखें। इसके बाद हटा दें। खीरे की प्राकृतिक ठंडक आपको राहत पहुंचाएगी।

सूजन और जलन तुरंत कम करने के लिए लगाएं आइस क्यूब

बर्फ लगाने से त्वचा की सूजन और जलन तुरंत कम होती है। इसके लिए एक साफ कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लपेटकर आईब्रो के आसपास हल्के-हल्के 2-3 मिनट तक घुमाएं। ध्यान रखें कि बर्फ को सीधा त्वचा पर न लगाएं

गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म अकाल की रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

पंजाबी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल की आगामी फिल्म अकाल का टीजर सामने आ गया है। इसमें अभिनेता का धांसू अवतार दिख रहा है। वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसका निर्देशन की कमान खुद गिप्पी ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

अकाल की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। यह फिल्म बैसाखी के खास मौके पर यानी 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें गिप्पी की जोड़ी अभिनेत्री निमरत खैरा के साथ बनी है। इसमें गुरप्रीत घुग्गी, प्रिंसकंवलजीत सिंह, निकितिन धीर, मीता वशिष्ठ, शिंदा ग्रेवाल, एकोम ग्रेवाल, जग्गी सिंह और भाना ला जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। गिप्पी इस फिल्म का निर्माण रवनीत कौर ग्रेवाल के साथ मिलकर कर रहे हैं।

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए खाएं ये स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए अमूमन लोग अनहेल्दी चीजें का सेवन कर लेते हैं, जिसका खामियाजा उनके स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। दरअसल, बाजार में मिलने वाले अधिकतर पैकेट बंद स्नैक्स में चीनी और नमक की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो हल्की-फुल्की भूख को शांत करने समेत स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन हैं।

पॉपकॉर्न

हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए कई लोगों के दिमाग में सबसे पहले आलू के चिप्स खाने का विचार आता है, जो बेशक बहुत स्वादिष्ट लगते हैं लेकिन इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए लिहाज से सही नहीं माना जाता है। ऐसे में बेहतर होगा अगर आप चिप्स या कुरकुरे खाने की बजाय पॉपकॉर्न खाएं जो स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। आप इन्हें नमक और मक्खन के साथ भी खा सकते हैं।

सूखे मेवे

अगर आप अपनी हल्की-फुल्की भूख को शांत करने के लिए स्वास्थ्यवर्धक विकल्प की खोज कर रहे हैं तो सूखे मेवे आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं क्योंकि यह आपको स्नैक्स खाने जैसा अहसास दे सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपने घर में कुछ सूखे मेवे जैसे कि बादाम, मखाने और पिस्ता आदि रखें। यह खाने में भी स्वादिष्ट लगते हैं और आपके शरीर को कई पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं।

भुने हुए काले चने

अगर आपको बार-बार कुछ न कुछ खाने की आदत है तो अपने पास हमेशा एक डिब्बा भुने हुए चने का रखना शुरू कर दें और खाएं क्योंकि यह आपकी भूख को शांत करने के साथ-साथ आपको ऊर्जावान रखने में भी सहायता करेगा। इतना ही नहीं, यह फाइबर से भरपूर और कम कैलोरी से युक्त होता है, इसलिए ये आपके पेट को भी भरेगा और वजन को भी नहीं बढ़ने देगा। फाइबर के कारण पेट लंबे समय तक भरा रहता है।

विटामिन- सी और आयरन से भरपूर फल

चकोतरा, संतरा, सेब और स्ट्रॉबेरी जैसे फलों का सेवन करके भी अपनी हल्की-फुल्की भूख को शांत कर सकते हैं क्योंकि इन फलों के सेवन से न केवल आपका पेट भरेगा बल्कि कई बीमारियां भी शरीर से दूरी बनाएं रखेंगी। दरअसल, विटामिन- सी से युक्त फल रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से बचाए रखती है। वहीं, आयरन से युक्त फल आपको अंदर से शक्ति देंगे और मूड बेहतर रखेंगे।

गर्मी में संतरे का जूस पीने से सेहत में होने वाले फायदों के बारे में जानिए

गर्मी के मौसम में स्वस्थ और सेहतमंद रहने के लिए आप संतरे का सेवन करे संतरे खाना ज्यादातर लोगो को पसंद है ये काफी टेस्टी और पौष्टिक होते है इनका सेवन करने से शरीर से जुडी कई समस्या दूर होती है संतरे में कई पोषक तत्व पाए जाते है इसमें विटामिन,आयरन ,कैल्शियम मौजूद होता है इसे खाने से शरीर में अलग अलग लाभ होते है इस मौसम में आप संतरे का जूस का सेवन करे इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती है तो चलिए जानते है संतरे का जूस पिने से होने वाले इन फायदों के बारे में

संतरे का जूस पीने से सेहत में कई लाभ होते है इसमें विटामिन ज्यादा पाया जाता है और एंटीऑक्सीडेंट तत्व मौजूद है ऐसे में इसका सेवन करने से त्वचा की चमक बढ़ती है इससे त्वचा से जुडी समस्या दूर होती है और चेहरे पर दाग धब्बे दूर होते है और संतरे का जूस पीने से शरीर की इम्युनिटी बढ़ती है इससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है।

जिन लोगो हार्ट से जुडी समस्या रहती है उन लोगो को संतरे का जूस पीना चाहिए संतरे का जूस पिने से दिल स्वस्थ रहता है इससे दिल से जुडी समस्या दूर होती है अगर आपका वजन बढ़ गया है तो ऐसे में आप संतरे के जूस का सेवन करे इससे वजन जल्दी कम होता है और शरीर में होने वाली सूजन से आराम मिलता है।

खांसी से हैं परेशान, आजमाइए ये 5 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

बदलते मौसम में सर्दी-खांसी का होना आम समस्या है। इस परेशानी के शुरू होने के बाद अगर ठीक से ध्यान न दिया जाए तो स्थिति गंभीर हो सकती है। शरीर की इम्यूनिटी कम होने की सूरत में सर्दी, खांसी की परेशानी बढ़ने लगती है। इससे राहत पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय कारगर साबित हो सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दी-खांसी दूर भगाने के घरेलू उपाय।

अदरक की चाय

सर्दी-खांसी से राहत पाने के लिए अदरक की चाय कारगर साबित हो सकते हैं। अदरक अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है और खांसी और कंजेशन को कम करने में मदद कर सकता है। जर्नल ऑफ एथनोफार्माकोलॉजी में एक अध्ययन के मुताबिक अदरक में कफ निकालने वाले गुण होते हैं, जो एयर पैसेज से बलगम को साफ करने में मदद कर सकते हैं।

गर्म पानी और नमक का गरारा

गुनगुने पानी में थोड़ा सा नमक मिलाकर गरारा करने से गले में होने वाली खराश और सूजन में आराम मिलता है। यह बैक्टीरिया को मारने में भी मदद करता है।

तुलसी का काढ़ा

तुलसी में कई औषधीय गुण होते हैं। तुलसी का काढ़ा पीने से सर्दी-खांसी में आराम मिलता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती

हल्दी वाला दूध

सर्दी-खांसी से राहत पाने के लिए हल्दी वाला दूध भी बड़ा फायदेमंद हो सकता हैहल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। दूध में हल्दी मिलाकर पीने से सर्दी-खांसी में आराम मिलता है और शरीर को गर्म रखने में मदद मिलती है।

शहद और नींबू

सर्दी-खांसी से जल्द राहत के लिए शहद और नींबू सबसे ज्यादा असरदार माने जाते हैं। ये दोनों ही अपने गुणों के लिए जाने जाते हैं। शहद में एंटी-बैक्टीरियल इफेक्ट्स होते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद कर सकता है। वहीं, नींबू विटामिन-सी से भरपूर होता है, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करता है।

राम चरण के प्रशंसकों को मिला तोहफा, आरसी16 के शीर्षक से उठ गया पर्दा

टॉलीवुड के मेगा पावर स्टार राम चरण 40 साल के हो गए हैं। राम चरण ने एसएस राजामौली की आरआरआर में सीता रामाराजू के किरदार से सभी का का दिल जीत लिया। इस फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा है। इस फिल्म के बाद उनके पॉपुलरिटी का ग्राफ नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया और उनकी फिल्मों से उम्मीदें कई गुना बढ़ गईं। आरआरआर की अपार सफलता के बाद, राम चरण गेम चेंजर में नजर आए, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब, वह अपनी 16वीं फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं। जी हां, वह आगामी फिल्म आरसी16 (टेंपरेरी टाइटल) में नजर आने वाले है। राम चरण के बर्थडे पर आरसी16 के मेकर्स ने उन्हें और उनके फैंस तो तोहफा दिया है। मेकर्स ने फिल्म का ऑफिशियल टाइटल और फर्स्ट लुक जारी किया है।

आरसी16 के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म का ऑफिशियल टाइटल और राम चरण का फर्स्ट लुक पोस्ट किया है। मेकर्स के मुताबिक, आरसी16 का ऑफिशियल टाइटल पेड्डी है। मेकर्स ने कैप्शन में राम चरण को बर्थडे विश करते हुए लिखा है, जमीन का आदमी और प्रकृति की शक्ति। आरसी16 पेड्डी है। हैप्पी बर्थडे ग्लोबल स्टार राम चरण।

मेकर्स ने राम चरण के दो पोस्टर जारी किए हैं। लंबे बालों और घने दाढ़ी में राम चरण का लुक काफी दमदार लग रहा है। पहले पोस्टर में वह सिगरेट जलाते दिख रहे हैं। आंखों में एग्रेशन और चेहरे का भाव ऐसे बयां कर रही हैं, जैसे वह किसी जंग के खिलाफ हल्ला बोल करने वाले हैं। वहीं दूसरे पोस्टर में राम चरण को हाथ में बैट लिए देखा जा सकता है। दोनों पोस्टर में राम चरण का लुक का धांसू हैं।

उप्पेना फेम बुची बाबू सना आरसी16, जिसका नाम अब पेड्डी है, के राइटर और डायरेक्टर हैं। पेड्डी एक स्पोर्ट ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में राम चरण अहम भूमिका में हैं। वहीं, बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। साथ ही कन्नड़ सुपरस्टार शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे दमदार कलाकार भी हैं। इस फिल्म को मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा शानदार तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें दिग्गज एआर रहमान ने संगीत दिया है।

द भूतनी में संजय दत्त बने बाबा तो मौनी रॉय भूतनी

संजय दत्त और मौनी रॉय अपनी हॉरर-एक्शन कॉमेडी फिल्म द भूतनी की रिलीज के लिए कमर कस रहे हैं और मेकर्स ने पिछले महीने फिल्म का दिलचस्प टीजर रिलीज किया था। अब मेकर्स ने फिल्म से संजय दत्त और मौनी रॉय के दिलचस्प किरदारों के पोस्टर भी रिलीज कर दिए हैं।

मेकर्स ने फिल्म से संजय दत्त का पहला लुक पोस्टर रिलीज किया जिसमें उन्हें बाब के रूप में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें एक पेड़ की शाखाओं से बंधा हुआ दिखाया गया है, जबकि उनके हाथ में दो तलवारें हैं जो आग की लपटों में घिरी हुई हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जिनसे भूत, प्रेत, जिन और पिशाच भी जाएंगे डर के भाग, बाबा लगाएंगे सबकी वाट।

इस बीच, एक अन्य कैरेक्टर पोस्टर में मौनी रॉय के किरदार मोहब्बत को दिखाया गया है। जिसके आगे प्यार या प्रलय लिखा हुआ है, एक्ट्रेस की ग्रीन आंखें ही खौफ पैदा करने के लिए काफी है। मेकर्स ने पोस्टर को एक कैप्शन के साथ शेयर किया जिसमें लिखा, उसकी आंखों में मोहब्बत भी है, तबाही भी।।। ये प्यार है या प्रलय।

संजय और मौनी के अलावा सनी सिंह, पलक तिवारी और बेयूनिक के पोस्टर भी रिलीज कर दिए गए हैं। ये कलाकार भी फिल्म में अहम रोल प्ले करेंगे। कहने की जरूरत नहीं कि पोस्टर ने फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। संजय दत्त के कैरेक्टर पोस्टर पर रिएक्शन देते हुए फैन ने लिखा, ब्लॉकबस्टर बाबा वापस आ गए हैं। शिल्पा शिरोडकर ने कमेंट किया, मेरे प्यारे संजय दत्त और पूरी टीम को शुभकामनाएं। मौनी के लुक पर रिएक्शन देते हुए दिशा पटानी ने लिखा, हे भगवान, इंतजार नहीं कर सकती।

सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित 'द भूतनी' में संजय दत्त, मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, आसिफ खान और बेयूनिक मुख्य भूमिका में हैं। यह 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'द भूतनी' का ट्रेलर सलमान खान स्टारर सिकंदर के साथ थिएटर में दिखाया जाएगा। जिससे यह फिल्म देखने वालों के लिए डबल ट्रीट बन जाएगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डिजिटल स्क्रीन टाइम कम करने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

आजकल की डिजिटल दुनिया में स्क्रीन टाइम का बढ़ना आम समस्या है। मोबाइल, लैपटॉप या टीवी, हम सभी का समय इन उपकरणों पर अधिक बीतता है।

इनसे आंखों और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इसलिए स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करना जरूरी है।

इस लेख में हम आपको पांच सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डिजिटल स्क्रीन टाइम को आसानी से कम कर सकते हैं।

समय सीमा निर्धारित करें

स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करने के लिए सबसे पहला कदम है कि एक समय सीमा तय करना।

आप अपने दिनचर्या में कुछ खास घंटे निर्धारित कर सकते हैं जब आप केवल जरूरी कामों के लिए ही स्क्रीन का उपयोग करेंगे।

उदाहरण के लिए सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले एक निश्चित समय तक ही फोन या कंप्यूटर का इस्तेमाल करें।

इससे आपकी आंखों को आराम मिलेगा और मानसिक तनाव भी कम होगा।

नोटिफिकेशन बंद करें

अक्सर हमारे फोन या कंप्यूटर पर आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार ध्यान भटकाते हैं, जिससे अनावश्यक रूप से स्क्रीन देखने की आदत बन जाती है। इन्हें बंद करके आप इस आदत से बच सकते हैं।

सोशल मीडिया ऐप्स और अन्य गैर-जरूरी ऐप्स की नोटिफिकेशन बंद कर दें ताकि आपका ध्यान बार-बार न भटके और आप अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

यह तरीका आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद साबित हो सकता है।

ऑफलाइन एक्टिविटी बढ़ाएं

स्क्रीन टाइम कम करने के लिए ऑफलाइन गतिविधियों में हिस्सा लेना बहुत फायदेमंद होता है, जैसे कि किताब पढ़ना, पेंटिंग करना, बागवानी करना या दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना आदि शामिल हो सकता है।

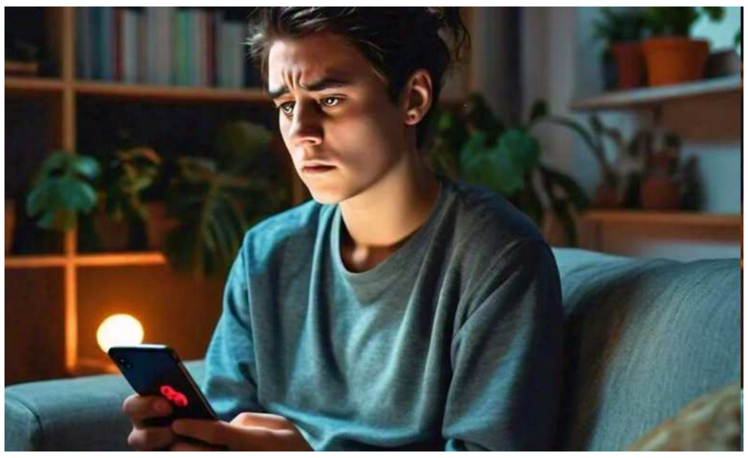

ये गतिविधियां न केवल आपके दिमाग को तरोताजा करती हैं बल्कि आपको वास्तविक दुनिया से जुड़ने का मौका भी देती हैं।

इसके अलावा ये आपको नई चीजें सीखने और अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करती है।

डिजिटल डिटॉक्स डे की योजना बनाएं

डिजिटल डिटॉक्स डे यानी ऐसा दिन जब आप पूरी तरह से डिजिटल उपकरणों से दूर रहें, यह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

सप्ताह में एक दिन ऐसा चुनें जब आप फोन, लैपटॉप या टीवी बिल्कुल न देखें और उस दिन सिर्फ खुद पर ध्यान दें।

यह आपके मन-मस्तिष्क को शांत करेगा और आपको नई ऊर्जा देगा।

तकनीकी सहायता लें

आजकल कई ऐसे ऐप्स उपलब्ध हैं, जो आपके स्क्रीन टाइम को ट्रैक करते हैं और उसे नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

इनका उपयोग करके आप जान सकते हैं कि किस ऐप पर कितना समय व्यतीत हो रहा है और उसे कैसे सीमित किया जा सकता है। ये ऐप्स आपको रिमाइंडर भी देते रहते हैं ताकि आप अपनी तय सीमा पार न करें। इन तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपने डिजिटल स्क्रीन टाइम को नियंत्रित कर सकते हैं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -80

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

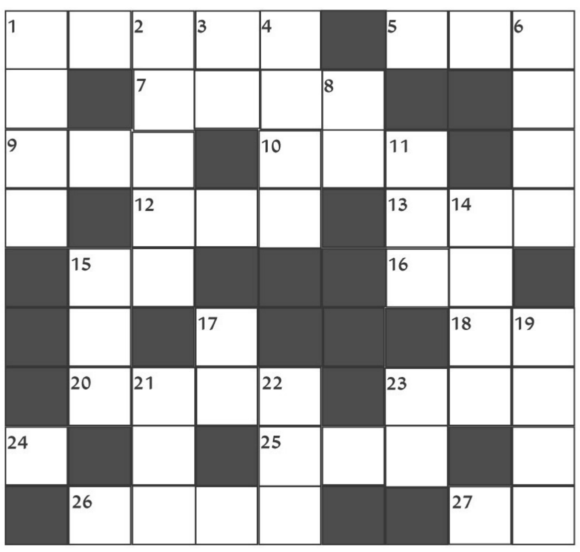

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 79 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

जाट में 'रणतुंगा' के लिए रणदीप हुड्डा ने किया बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन

सनी देओल, रणदीप हुड्डा स्टारर अपकमिंग फिल्म 'जाट' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में हुड्डा के किरदार का नाम 'रणतुंगा है, जो खतरनाक खलनायक है। किरदार के लिए हुड्डा ने वजन बढ़ाने के साथ ही अपनी आवाज के उतार-चढ़ाव पर भी कमाल का काम किया है।

प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, खलनायक हो या हीरो का किरदार, रणदीप उसमें डूब जाते हैं और जीवंत करने के लिए खूब मेहनत करते हैं। 'जाट' भी इससे अलग नहीं है और अपने खलनायक किरदार रणतुंगा को मजबूत करने के लिए वह पहले दिन से ही जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया, रणदीप हुड्डा ने अपने किरदार के लिए बाल बढ़ाए और अपनी बॉडी पर काम किया ताकि उनका किरदार अधिक खतरनाक दिख सके।

यह पहली बार नहीं है जब रणदीप ने ट्रांसफॉर्मेशन किया है। इससे पहले अभिनेता साल 2016 में आई फिल्म 'सरबजीत' और 2024 में रिलीज फिल्म 'स्वतंत्र वीर सावरकर' की भूमिका निभाने के लिए भी परिवर्तन किए थे।

सूत्र ने बताया, चाहे वह 'सरबजीत' हो, 'स्वतंत्र वीर सावरकर' हो या 'जाट', रणदीप कभी भी किरदार में जान डालने से पीछे नहीं हटते। फैंस उनके इस अंदाज को पसंद भी करते हैं। रणतुंगा के रूप में भी इस बार प्रशंसकों को कुछ नया और बेहतरीन मिलेगा।

रणतुंगा को लेकर रणदीप ने बताया था कि उन्होंने इससे पहले भी नेगेटिव रोल किए हैं, लेकिन रणतुंगा का किरदार बहुत खतरनाक है। रणदीप ने कहा, रणतुंगा मेरी किसी भी नकारात्मक भूमिका से ज्यादा खतरनाक है। वह हिंसक, विक्षिप्त और चीजों को लेकर बहुत क्रूर है।

'जाट' का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया है। इसमें रणदीप हुड्डा, सनी देओल के साथ विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है, जो सिनेमाघरों में 10 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

अद्वय की पैन इंडिया फिल्म सुब्रह्मण्यम का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

कन्नड़ सुपरस्टार डॉ. शिव राजकुमार ने आगामी पैन इंडिया फिल्म सुब्रह्मण्य में मुख्य अभिनेता अद्वय का ध्यान आकर्षित करने वाला पहला लुक लॉन्च किया है। पी. रविशंकर द्वारा निर्देशित, सामाजिक-काल्पनिक साहसिक फिल्म का निर्माण थिरुमल रेड्डी और अनिल कडियाला ने एसजी मूवी क्रिएशन के बैनर तले किया है। विनायक चतुर्थी के अवसर पर अनावरण किए गए फिल्म के पहले पोस्टर में अद्वय को मुख्य भूमिका में दिखाया गया है, जो विशेष रूप से डिज़ाइन की गई पोशाक पहने हुए हैं और अपनी तीव्रता दिखा रहे हैं।

60प्रतिशत निर्माण पूरा हो जाने के बाद, मुंबई के रेड चिलीज़ स्टूडियो में पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है, मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के प्रमुख स्टूडियो में वीएफएक्स और सीजीआई का काम चल रहा है। फिल्म में बेहतरीन तकनीकी विशेषज्ञता है, जिसमें रवि बसरूर का संगीत, विग्नेश राज की सिनेमैटोग्राफी, विजय एम कुमार का संपादन और उल्लास हैदराबाद का प्रोडक्शन डिज़ाइन शामिल है। सुब्रह्मण्य तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज़ के लिए तैयार है।

फिल्म के कलाकार और क्रू इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें अद्वय हीरो के तौर पर अपनी शुरुआत कर रहे हैं। लोकप्रिय अभिनेता और डबिंग आर्टिस्ट पी. रविशंकर इस फिल्म के साथ अपने बेटे अद्वय को हीरो के तौर पर पेश कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का प्री-लुक रिलीज़ किया गया, जिसे शानदार प्रतिक्रिया मिली, जिससे प्रोजेक्ट के बारे में चर्चा शुरू हो गई।

सुब्रह्मण्य एक रोमांचक सामाजिक-काल्पनिक एडवेंचर फिल्म होने का वादा करता है, जिसमें प्रतिभाशाली कलाकार और क्रू इस पूरे भारत में प्रोजेक्ट को जीवंत करने के लिए एक साथ काम कर रहे हैं। अपनी बेहतरीन तकनीकी विशेषज्ञता और ध्यान खींचने वाले फर्स्ट लुक पोस्टर के साथ यह फिल्म पूरे भारत में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। (आरएनएस)

सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी चमकती त्वचा का राज बताया

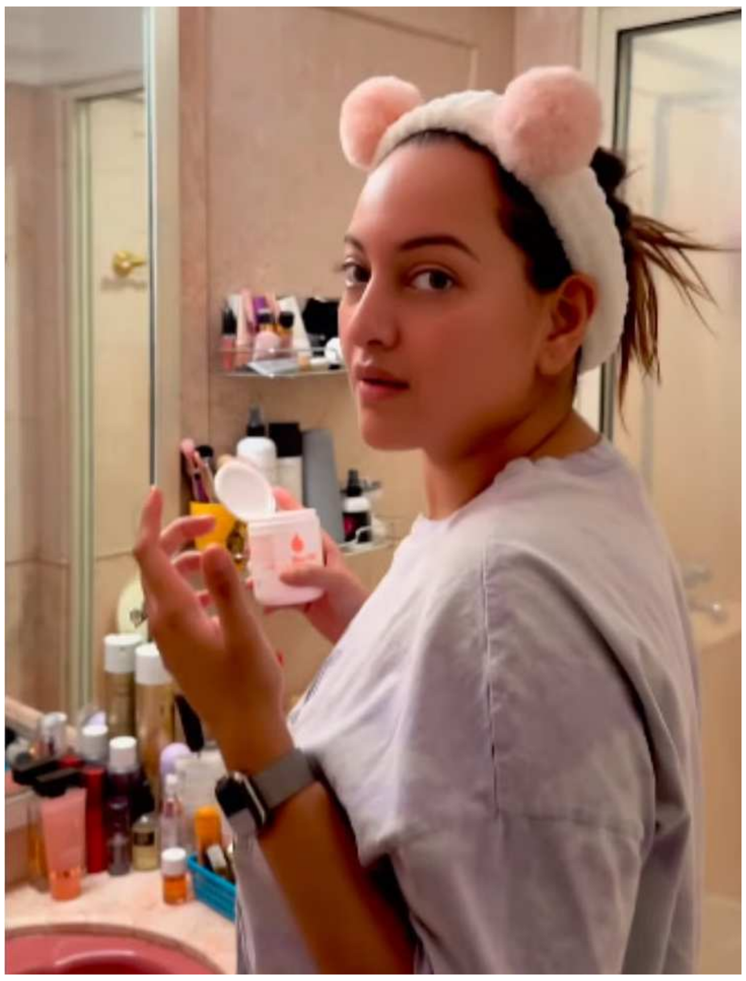

सोनाक्षी सिन्हा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपने फैंस के लिए आए दिन मजेदार वीडियो शेयर करती रहती हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने पति जहीर इकबाल के साथ एक और मजेदार वीडियो शेयर किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी चमकती त्वचा का राज बताया है।

क्लिप की शुरुआत सोनाक्षी की स्किनकेयर से होती है। इसके बाद उनके पति जहीर पीछे से आते हैं और अपनी पत्नी को डरा देते हैं। इस दौरान, सोनाक्षी की इस अनोखी प्रतिक्रिया से जहीर जोर से हंसते हैं।

सोनाक्षी ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मेरी चमकती त्वचा का राज।

इससे पहले सोनाक्षी ने इस साल पति जहीर के बिना होली मनाई थी। खूबसूरत अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म जटाधारा के सेट पर होली मनाई। त्योहार की एक झलक दिखाते हुए, उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ मजेदार तस्वीरें साझा कीं। सफेद सलवार कमीज में पोज देते हुए, सोनाक्षी होली के रंगों को दिखाती नजर आईं।

उन्होंने लिखा, होली है, रंग बरसाओ, खुशियां मनाओ। हैप्पी होली मेरे दोस्तों।

सोनाक्षी ने बताया कि वह अपने काम के कारण जहीर से दूर होली मना रही हैं। जटाधारा के निर्माताओं ने 8 मार्च को महिला दिवस पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया था।

तस्वीर में हीरामंडी अभिनेत्री अपने पारंपरिक आभूषणों को दिखाती नजर आ रही हैं, जिसमें एक सुनहरा हेडपीस, चूड़ियां और अंगूठियां शामिल हैं।

सोनाक्षी की पहली तेलुगु फिल्म जटाधारा में मुख्य भूमिका में सुधीर बाबू होंगे। वेंकट कल्याण द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शिल्पा शिरोडकर, रेन अंजलि और दिव्या विज मुख्य भूमिकाओं में होंगी।

इसके अलावा, सोनाक्षी आगामी प्रोजेक्ट तू है मेरी किरण में जहीर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। करण रावल और संजना मल्होत्रा द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 2022 की हंसी की सवारी डबल एक्सएल के बाद उनकी दूसरी ऑन-स्क्रीन जोड़ी है।

उनकी सूची में निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस भी शामिल है।

कुली' से श्रुति हासन का नया पोस्टर आउट, गंभीर अंदाज में दिखीं अभिनेत्री

आगामी फिल्म 'कुली' के निर्माताओं ने फिल्म से श्रुति हासन का नया लुक जारी कर दिया है। प्रीति के रूप में श्रुति हासन का नया लुक गंभीर लेकिन प्रभावशाली अंदाज में सामने आया है। उनका किरदार गंभीर नजर आ रहा है।

निर्माताओं ने पहले एक आकर्षक पोस्टर के साथ श्रुति के किरदार को पेश किया था। फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। 'कुली' के अलावा, श्रुति की हालिया रिलीज फिल्म 'द आई' ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में दिल जीत रही है। हाल ही में इस फिल्म का भारतीय प्रीमियर वेंच फिल्म फेस्टिवल में हुआ, जिसे काफी प्रशंसा मिली।

इससे पहले अभिनेत्री ने शेयर किया था कि वह ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हैं, जिसमें प्यार, खुद की खोज शामिल होती है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि 'द आई' ने उन्हें स्क्रीन पर इन सभी भावनाओं का सामना करने का मौका दिया। यह फिल्म ग्रीस के बैकग्राउंड पर आधारित है।

प्रोजेक्ट पर विचार करते हुए श्रुति हासन ने बताया था, मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे पता चला कि यह फिल्म तो मेरे लिए ही बनी है। मैं हमेशा ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती रही हूं, जिसमें प्यार, आत्म-खोज का पुट हो और जो मेरे साथ गहराई से जुड़ती हैं। उन्होंने कहा, द आई में प्रतिभाशाली महिला क्रिएटिव टीम के साथ काम करके मुझे शानदार अनुभव मिला।

श्रुति हासन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढक़र एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने बताया कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं।

तस्वीर में श्रुति कार की पिछली सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में नेचुरल लुक में लग रही हैं। फोटो में वह थोड़ी गंभीर दिख रही हैं।

ग्रीस के लुभावने परिदृश्यों पर आधारित, 'द आई' में श्रुति ने डायना का रोल निभाया है। कहानी में डायना की भावनात्मक यात्रा दिखाई गई है जिसमें उनके पति का देहांत हो चुका है।

फिल्म का निर्देशन डेफ्ने शिमोन ने किया है और इसका निर्माण फिंगरप्रिंट कंटेंट ने किया है। इसकी पटकथा अवार्ड विनिंग लेखका एमिली कार्लटन ने लिखी है। (आरएनएस)

बिहार में एनडीए की राह आसान नहीं

अजीत द्विवेदी

इस साल अब सिर्फ बिहार में विधानसभा का चुनाव है। बिहार अब भी भारतीय जनता पार्टी के लिए अबूझ पहेली है। ऐसी पहेली, जिसे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक सब सुलझाना चाहते हैं। लेकिन समझ में नहीं आता है कि इस चक्रव्यूह को कैसे तोड़ें। लोकसभा चुनाव में जो बिहार बड़ी आसानी से भाजपा के हाथ में आ जाता है वह विधानसभा चुनाव में कैसे हाथ से फिसल जाता है यह बड़ा सवाल है। ध्यान रहे बिहार में एनडीए २००९ से लेकर २०२४ तक चार चुनावों से बड़ी जीत हासिल कर रहा है। इसमें २०१४ का चुनाव भाजपा ने बिना नीतीश कुमार के लड़ा था और तब भी उसने बड़ी जीत हासिल की थी। बगैर नीतीश के भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने ४० में से 32 सीटें जीती थीं। लेकिन २०१5 के विधानसभा चुनाव में वही भाजपा और वही उसके सहयोगी सब फेल हो गए। पूरा एनडीए 59 सीटों पर सिमट गया। दोनों चुनावों का फर्क यह था कि २०१४ में नीतीश अकेले लड़े थे तो २०१5 में उन्होंने राजद और कांग्रेस से हाथ मिला लिया था।

नीतीश ने २०१४ के चुनाव से सबक लिया कि अकेले नहीं लडऩा है तो भाजपा ने २०१5 के नतीजे से सबक लिया कि बिना नीतीश के नहीं लडऩा है। भाजपा को समझ में आ गया कि नीतीश के बिना २०१४ में मिली जीत एक बार की जीत थी, जिसे दोहराया नहीं जा सकता है। तभी उसके बाद नीतीश ने पाला बदला तब भी भाजपा ने उनसे दूरी नहीं बनाई। उनको 43 सीट मिली तब भी उनको मुख्यमंत्री बनाया और राजद के साथ जाकर वापस लौटे तब भी उनको सीएम बनाया। २०२४ के चुनाव में नीतीश को लगभग बराबर सीटें देकर समझौता किया, जिसका लाभ भाजपा को मिला। इस पृष्ठभूमि में जब २०२5 के विधानसभा चुनाव को देखते हैं तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या नीतीश अब भी एनडीए की नाव पार लगा सकते हैं? इसके अलावा और भी कई सवाल हैं, जो नीतीश की पार्टी के भविष्य, चिराग पासवान के साथ नीतीश के संबंध और भाजपा व नीतीश के संबंधों से जुड़े हैं। सबसे पहले इस सवाल पर विचार की जरुरत है कि क्या नीतीश अब भी एनडीए को चुनाव जिताने में सक्षम हैं या उनकी वजह से एनडीए के लिए रास्ता मुश्किल हो गया है?

बिहार में नीतीश कुमार का चेहरा अब भी एनडीए की सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन उस पूंजी का लगातार क्षरण हो रहा है। इसका मुख्य कारण नीतीश स्वंय हैं। उनकी सेहत को लेकर लगातार आ रही खबरें और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके आचरण से उनके नेतृत्व करने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। बिहार के राजनीतिक रूप से सजग मतदाता यह देख रहे हैं कि पिछले २० साल से बिहार का राजकाज चला रहे नीतीश अब शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं, पहले की तरह सक्षम नहीं हैं और इसका असर सरकार के कामकाज पर पड़ रहा है। उनके बारे में बन रही इस धारणा ने बिहार के मतदाताओं को विकल्प पर विचार करने के लिए बाध्य किया है। ध्यान रहे इससे पहले बिहार के लोग विकल्प के बारे में सोचते भी नहीं थे। व्यापक मतदाता समूह नीतीश को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आंख बंद करके वोट डालता था। लेकिन नीतीश की नेतृत्व और प्रशासन संभालने की क्षमता सवालों के घेरे में है।

नीतीश खुद इस बात से परिचित हैं और इसलिए वे चाहते थे कि समय से पहले चुनाव हो जाए। पिछले साल जनवरी में भाजपा के साथ वापस लौटने के बाद से वे लगातार विधानसभा चुनाव कराने के लिए दबाव बना रहे थे। लेकिन भाजपा इसे टालती रही है क्योंकि वह नीतीश के साथ शह मात का खेल खेल रही है। भाजपा को लग रहा है कि नीतीश कुमार अभी तक मोलभाव करने की स्थिति में हैं और अगर अभी चुनाव होता है तो उनकी पार्टी को ज्यादा सीटें देनी होंगी। अगर नीतीश की मानसिक व शारीरिक स्थिति और बिगड़ती है तो फिर उनकी पार्टी मोलभाव की स्थिति में नहीं रह जाएगी। यह भाजपा का दूर का दांव है, जो वह अपना मुख्यमंत्री बनाने की सोच में चल रही है। इसी सोच में अमित शाह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव के बाद होगा। इसका मतलब है कि भाजपा नीतीश के नेतृत्व में तो लड़ेगी, लेकिन वे मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं होंगे। इसी तरह भाजपा ने मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के साथ किया था। इसी की काट में नीतीश के बेटे निशांत कुमार को लॉन्च किया जा रहा है। उनके रूप में जदयू को एक नेता मिल सकता है लेकिन इससे एनडीए के अंदर का अंतर्विरोध बढ़ जाएगा।

बहरहाल, एक तरफ नीतीश कुमार की सेहत और उनके २० साल के शासन की एंटी इन्कम्बेंसी है तो दूसरी ओर भाजपा का यह दांव है कि नीतीश को सीएम चेहरा नहीं घोषित करना है। ध्यान रहे नीतीश पिछले ३० साल से सीएम प्रोजेक्ट होकर ही लड़ रहे हैं। पहली बार ऐसा हो रहा है कि उनको सीएम का चेहरा बना कर चुनाव नहीं लड़ा जाएगा। इस वजह से भी बिहार के मतदाता विकल्प के बारे में सोच रहे हैं। एनडीए के लिए इसी वजह से स्थिति विकट हो रही है कि उसके पास कोई विकल्प नहीं है। नीतीश कुमार ने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अपना कोई उत्तराधिकारी या कोई विकल्प नहीं बनाया। इसी तरह भाजपा ने बिहार में कोई चेहरा तैयार नहीं किया। पिछले ३० साल में जो एक चेहरा बना था वह सुशील मोदी का था, जिनका निधन हो गया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाजपा की कमान संभालने के बाद नित्यानंद राय से लेकर संजय जायसवाल और रेणु देवी से लेकर तारकिशोर प्रसाद तक का प्रयोग हुआ और अब सम्राट चौधरी पर आकर प्रयोग रूका है। फिर भी भाजपा ने सम्राट चौधरी को बिहार की एकछत्र बागडोर नहीं सौंपी। अगर सौंपी गई होती तो वे नीतीश का विकल्प बन सकते थे। वे उसी लव कुश समीकरण का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके नेता नीतीश हैं। इसके अलावा नीतीश ने महिला, अति पिछड़ा, महादलित, पासवान और सवर्ण मतदाता अपने साथ जोड़ा था, जो सम्राट चौधरी के साथ भी जुड़ा रह सकता है। परंतु यह तब होता, जब यह संदेश बनता कि चुनाव के बाद सम्राट मुख्यमंत्री होंगे।

अब स्थिति यह है कि नीतीश मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं होंगे और दूसरा कोई चेहरा प्रोजेक्ट नहीं किया गया है। यानी बिना चेहरे के सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लडऩे की तैयारी है। इसका एडवांटेज राजद के तेजस्वी यादव को मिल सकता है क्योंकि वे एक विकल्प के तौर पर पिछले १० साल में स्थापित हुए हैं। उनके नेतृत्व में एक निरंतरता है। वे २०१5 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में उप मुख्यमंत्री बने। २०१७ में जब नीतीश राजद को छोड़ कर भाजपा के साथ गए तो तेजस्वी नेता प्रतिपक्ष बने। २०२० के चुनाव में राजद सबसे बड़ी पार्टी बनी और वे फिर नेता प्रतिपक्ष बने। २०२२ में नीतीश ने उनको फिर उप मुख्यमंत्री बनाया। उसके बाद २०२४ में वे फिर नेता प्रतिपक्ष बने। पिछले दो चुनावों से उनकी पार्टी बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बन रही है। इस निरंतरता ने उनको नीतीश के विकल्प के तौर पर स्थापित किया है। उनको इस वजह से भी एडवांटेज है कि वे पिछड़ी जाति से हैं, जिसकी आबादी बिहार में 63 फीसदी के करीब है और उस राजनीतिक धारा से आते हैं, जिसका पिछले 35 साल से राज है। जैसे लालू प्रसाद और राबड़ी देवी से बिहार का राज नीतीश को ट्रांसफर हुआ उसी तरह नीतीश से तेजस्वी को हो सकता है। यह ट्रांसफर बहुत सहज रूप से हो सकता है। अगर पिछड़ी जातियों को लग जाता है कि नीतीश अब नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं हैं और उनकी पार्टी या गठबंधन कोई दूसरा अच्छा विकल्प नहीं पेश कर पा रहा है तो वे तेजस्वी की ओर मुड़ सकते हैं।

तर्क के लिए एनडीए के पक्ष में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की बात कही जा सकती है, राजद के यादव वोट आधार के खिलाफ अति पिछड़ी जातियों व सवर्ण ध्रुवीकरण की बात भी कही जा सकती है लेकिन यह सिर्फ तर्क के लिए है। क्योंकि मुस्लिम-यादव समीकरण 32 फीसदी का है, जिसमें इस बार कोई टूट नहीं होगी। ऊपर से पिछले लोकसभा चुनाव में दलित वोट का एक चौथाई हिस्सा महागठबंधन के साथ गया। सासाराम की सुरक्षित सीट पर कांग्रेस के मनोज राम की जीत इसी वजह से हुई। मुकेश सहनी की वजह से कुछ मल्लाह वोट राजद के साथ जुड़ेगा। इसके अलावा एनडीए के अंतर्विरोध की वजह से कुशवाहा और पासवान ये दो वोट नीतीश की पार्टी के खिलाफ जा सकते हैं, इसका भी फायदा राजद को होगा।

सू- दोकू क्र.80

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.79 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

अभिनेत्री, बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा सिंगिंग में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। अजीब दास्तान में वह अपनी आवाज देती नजर आएंगी।

गाने को आवाज देने के साथ ही मन्नारा ने म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्सों का निर्देशन भी किया है, जिसमें न्यूयॉर्क शहर की शानदार पृष्ठभूमि पर तैयार पुरानी दुनिया की धुनों के आकर्षण को खूबसूरती से दिखाया गया है।

इस नए काम को लेकर उत्साहित मन्नारा ने कहा, संगीत हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। यह गीत इसलिए खास है, क्योंकि इसमें क्लासिक्स के प्रति मेरे प्यार को मेरे अपने कलात्मक स्पर्श के साथ मिलाया गया है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ यूनिवर्सल भी लगे और मुझे उम्मीद है कि लोग इससे उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ती आई हूं।

अजीब दास्तान है ये मूल रूप से 1960 की फिल्म दिल अपना और प्रीत पराई से है, जिसमें मीना कुमारी, राजकुमार, जे. ओम प्रकाश, नादिरा, हेलेन और नाज ने अभिनय किया। इस गाने को दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने गाया है और इसे शैलेंद्र ने लिखा है।

33 वर्षीय अभिनेत्री मन्नारा का जन्म हरियाणा के अंबाला कैंटोनमेंट में हुआ था, उन्होंने 4० से अधिक विज्ञापनों में काम किया है। अभिनय की शुरुआत से पहले वह एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे नृत्य रूपों में प्रशिक्षण लिया।

मन्नारा ने २०१४ में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ २०१४ की तेलुगू फिल्म प्रेमा गीमा जंता नाई से अपने अभिनय की शुरुआत की।

उन्होंने अनुभव सिन्हा की जिद से हिंदी में शुरुआत की, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा भी थे। २०१5 में चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा थिक्का में साई धरम तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। मन्नारा २०१७ में रॉग से कन्नड़ फिल्म में डेब्यू कर चुकी हैं।

वह साल २०२3 में सलमान खान के शो बिग बॉस के 17वें सीजन में शामिल हुई थीं। इस शो के बाद वह लोकप्रिय हो गईं। शो की वह दूसरी रनर-अप रहीं और विजेता मुनव्वर फारूकी रहे।

मन्नारा भूतमेट से वेब डेब्यू कर चुकी हैं, जिसमें उन्होंने परी नाम की एक भूतनी का किरदार निभाया। वह जल्द ही एक तेलुगू फिल्म थिरागबदरा सामी और एक पंजाबी फिल्म में नजर आएंगी। (आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को सचिवालय में विधायक उमेश शर्मा काऊ, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल और पार्षदगणों ने भेंट कर मियांवाला का नाम जनभावनाओं के अनुरूप रामजीवाला किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उत्तराखंड के नए सूचना आयुक्त बने दलीप सिंह कुंवर

देहरादून (कासं)। उत्तराखण्ड इंटेलिजेंस के पूर्व डीआईजी और देहरादून के पूर्व एसएसपी सेवानिवृत आईपीएस ऑफिसर दलीप सिंह कुंवर को सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है। 28 मार्च को उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया गया, जिसके बाद अब वे राज्य के सूचना आयोग में अपनी सेवाएँ देंगे। उनकी इस नियुक्ति को शासन में पारदर्शिता और सुचारु सूचना प्रणाली को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा रहा है। चमोली मूल के आईपीएस ऑफिसर दलीप कुँवर को डीआईजी पद से सेवानिवृत होने के बाद सरकार के द्वारा यह जिम्मेदारी दी गई हैं।

माँ डाँट काली मनोकामना सिद्धपीठ का 222 वाँ वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। माँ डाँट काली मनोकामना सिद्धपीठ मंदिर की वार्षिक बैठक आज मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर के मुख्य महंत रमण प्रसाद गोस्वामी उपस्थित रहे।

बैठक के पूर्व विधि विधान से माता रानी के वार्षिकोत्सव की तिथि के लिए आचार्य गणों द्वारा पूजा की गई। बैठक में पूज्य महंत श्री रमन प्रसाद गोस्वामी जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष के चेत्र मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी पर माँ के उत्सव की तिथि घोषित की जाती है, इस वर्ष 222 वाँ वार्षिकोत्सव होगा, जो कि 29 जून 2025, दिन रविवार को भैरव पूजन से आरम्भ होगा, 30 जून सोमवार को शिव पूजन, 1 जुलाई मंगलवार को हनुमान पूजन व सुंदरकांड, 2 जुलाई बुधवार को झंडा पूजन व नगर परिक्रमा, 3 जुलाई बृहस्पतिवार को (आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष , अष्टमी) को माता रानी का भव्य जागरण, 4 जुलाई शुक्रवार (नवमी तिथि) को माँ का हवन पूजन व विशाल भंडारे के साथ सम्पन्न होगा। इस अवसर पर सेवादल के दिनेश अग्रवाल (टीटू भाई) , शुभम् गोस्वामी, संयम गोस्वामी, नरसिंह दास, हरीश मारवाह, राम पद जना, वासु परविंदा,विक्की खत्री, आचार्य विजेंद्र थपलियाल, आचार्य शैलेंद्र थपलियाल, आचार्य अनूप ममगई, आचार्य प्रवीण जुयाल, शिवांग थपलियाल, श्रवण वर्मा ,सुनील आहूजा , शिवम गोयल, गौतम प्रजापति आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से डेढ़ गुने कैदी बंद

❑सामान्य जेलों में 3541 के स्थान पर 5521 कैदी है कैद

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जैसे शान्त माने जाने वाले राज्य में भी उत्तराखंड की 10 सामान्य जेलों में उसकी क्षमता 3541 से डेढ़ गुने से अधिक 5521 कैदी बंद है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्णानन्द शिविर सितारगंज (खुली जेल) में 45 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत कारागार मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने महानिरीक्षक कारागार (कारागार मुख्यालय) उत्तराखंड से उत्तराखंड राज्य की जेलो में बंदियों की क्षमता तथा वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या के सम्बन्ध में सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में मुख्यालय कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी/प्रशानिक अधिकारी मनोज खोलिया ने अपने पत्रांक 397 दिनांक 7 फरवरी 2025 से जेलों की क्षमता तथा बंदियों का विवरण उपलब्ध कराया है।

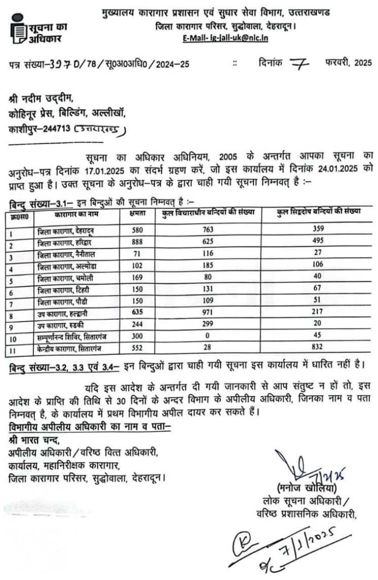

सूचना का अधिकार

मुख्यालय कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग, उत्तराखण्ड
जिला कारागार परिसर, सुद्धोवाला, देहरादून।
E-Mail- ig-jail-uk@nic.in

पत्र संख्या-397 D/78/सू0अ0अधि0/2024-25 :: दिनांक 7 फरवरी, 2025

श्री नदीम उद्दीम,
कोहिनूर प्रेस, बिल्डिंग, अल्लीखाँ,
काशीपुर-244713 (उत्तराखण्ड)

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत आपका सूचना का अनुरोध-पत्र दिनांक 17.01.2025 का संदर्भ ग्रहण करें, जो इस कार्यालय में दिनांक 24.01.2025 को प्राप्त हुआ है। उक्त सूचना के अनुरोध-पत्र के द्वारा चाही गयी सूचना निम्नवत् है :-

बिन्दु संख्या-3.1- इन बिन्दुओं की सूचना निम्नवत् है :-

क्र0स0	कारागार का नाम	क्षमता	कुल विचाराधीन बन्दियों की संख्या	कुल सिद्वदोष बन्दियों की संख्या
1	जिला कारागार, देहरादून	580	763	359
2	जिला कारागार, हरिद्वार	888	625	495
3	जिला कारागार, नैनीताल	71	116	27
4	जिला कारागार, अल्मोडा	102	185	106
5	जिला कारागार, चमोली	169	80	40
6	जिला कारागार, टिहरी	150	131	67
7	जिला कारागार, पौडी	150	109	51
8	उप कारागार, हल्द्वानी	635	971	217
9	उप कारागार, रुडकी	244	299	20
10	सम्पूर्णानन्द शिविर, सितारगंज	300	0	45
11	केन्द्रीय कारागार, सितारगंज	552	28	832

बिन्दु संख्या-3.2, 3.3 एवं 3.4- इन बिन्दुओं द्वारा चाही गयी सूचना इस कार्यालय में धारित नहीं है।

यदि इस आदेश के अन्तर्गत दी गयी जानकारी से आप संतुष्ट न हों तो, इस आदेश के प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों के अन्दर विभाग के अपीलीय अधिकारी, जिनका नाम व पता निम्नवत् है, के कार्यालय में प्रथम विभागीय अपील दायर कर सकते हैं।

विभागीय अपीलीय अधिकारी का नाम व पता-
श्री भारत चन्द,
अपीलीय अधिकारी/वरिष्ठ वित्त अधिकारी,
कार्यालय, महानिरीक्षक कारागार,
जिला कारागार परिसर, सुद्धोवाला, देहरादून।

(मनोज खोलिया)
लोक सूचना अधिकारी/
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी,

❑कारागार मुख्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ खुलासा

उपलब्ध सूचना के अनुसार सम्पूर्णानन्द शिविर जेल सितारगंज (खुली जेल) तथा जिला कारागार चमोली के अतिरिक्त सभी जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद है। क्षमता से सर्वाधिक अधिक 285 प्रतिशत कैदी 102 क्षमता वाली जिला कारागार अल्मोड़ा में 291 कैदी है। दूसरे स्थान पर क्षमता के 201 प्रतिशत कैदी 71 क्षमता वाली जिला कारागार नैनीताल में 143 कैदी बंद है। तीसरे स्थान पर क्षमता के 193 प्रतिशत कैदी 580 क्षमता वाली जिला कारागार देहरादून में 1122 कैदी बंद है। चौथे स्थान पर क्षमता के 187 प्रतिशत कैदी 635 क्षमता वाली उपकारागार हल्द्वानी में 1188 कैदी बंद है।

पांचवें स्थान पर क्षमता के 156 प्रतिशत कैदी 552 क्षमता वाली केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 860 कैदी बंद है। छठे स्थान पर क्षमता के 132 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला कारागार टिहरी में 198 कैदी बंद है। सातवें स्थान पर क्षमता के 131 प्रतिशत कैदी 244 क्षमता वाली रूड़की उपकारागार में 319 कैदी बंद है। आठवें स्थान पर क्षमता के 126 प्रतिशत कैदी 888 क्षमता वाली जिला कारागार हरिद्वार में 1120 कैदी बंद है। नवें स्थान पर क्षमता के 107 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला पौड़ी में 160 कैदी बंद है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार प्रदेश में केवल दो जेले ही ऐसी है जिसमें निर्धारित स्वीकृत क्षमता से कम कैदी बंद है। इसमें एक विशेष जेल सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज है जिसमें केवल सजायाफ्ता कैदियों को ही रखा गया है। इसकी क्षमता 300 कैदियों की है जबकि इसकी क्षमता के मात्र 15 प्रतिशत 45 कैदी ही इसमें बंद है। इसके अतिरिक्त सामान्य जेलों में स्वीकृत क्षमता से कम कैदियों वाली एकमात्र जेल जिला कारागार चमोली है। इसमें उसकी क्षमता 169 की अपेक्षा 71 प्रतिशत 120 कैदी ही बंद हैं।

उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड की जेलों में बंद कुल 5566 कैदियों में 59 प्रतिशत 3307 कैदी विचाराधीन कैदी है जबकि 41 प्रतिशत 2259 कैदी ही सजायाफ्ता (सिद्ध दोष) कैदी है। अल्मोड़ा जेल में बंद कुल कैदियों में 64 प्रतिशत 185, नैनीताल में 81 प्रतिशत 116, देहरादून में 68 प्रतिशत 763, हल्द्वानी में 82 प्रतिशत 971, केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 3 प्रतिशत 28, टिहरी में 66 प्रतिशत 131, रूड़की जेल में 94 प्रतिशत 299, हरिद्वार जेल में 56 प्रतिशत 625, पौड़ी जेल में 68 प्रतिशत 109, चमोली जेल में 67 प्रतिशत 80 विचाराधीन कैदी फैसले के इंतजार में बंद है।

संरक्षित पशु को काटने वाले 06 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। संरक्षित पशु को काटने के आरोप में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली विकासनगर को सूचना प्राप्त हुई कि डाकपत्थर क्षेत्र स्थित बैराज झूला पुल के पास एक संरक्षित पशु के अवशेष पड़े हुए है। सूचना पर कोतवाली विकासनगर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पंहुचा तो ज्ञात हुआ कि झूलापुल डाकपत्थर के पास एक संरक्षित पशु का सिर पडा था तथा मौके पर हिन्दु समुदाय के लोगों द्वारा रोष व्यक्त किया जा रहा था, घटना के सम्बन्ध में कोतवाली विकासनगर पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकद्वारा घटना के खुलासे तथा आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग पुलिस टीमें गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों से घटना में संलिप्त संदिग्धों के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारियां एकत्रित कर प्राप्त जानकारी के आधार पर ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुए साथ ही पूर्व में पशु चोरी व गौकशी के अपराध में संलिप्त आरोपियों की वर्तमान स्थिती की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों से आज पुलिस टीम द्वारा मिली सूचना पर डाकपत्थर बैराज निकट कूडा घाटी यमुनानदी के किनारे विकासनगर से घटना में सलिंप्त 06 लोगों को गिरफ्तार किया जिन्होंने अपने नाम अब्दुल रहमान पुत्र इरफान, शहबान पुत्र इरफान, राशिद उर्फ नीलू पुत्र अख्तर, शौकीन उर्फ लुटिया पुत्र स्वर्गीय लतीफ, आशिक पुत्र सलीम तथा सुलेमान पुत्र वाहिद गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त 02 चापड, 02 धारदार खुखरी, पशु कटान के उपकरण तथा दो लकड़ी के गुटके बरामद किये गए। घटना के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि वे यमुना नदी के किनारे आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें जगंल में ले जाकर उनका अवैध कटान कर उनका मांस बेच देते हैं, जिससे उन्हें काफी अच्छा मुनाफा हो जाता है। उनके द्वारा कुछ दिन पूर्व डाकपत्थर बैराज के पास से एक बछड़े को पकड़कर नदी किनारे ले जाकर उसे काटने तथा उसका सिर वही छोडकर भाग जाने की घटना को स्वीकार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध जनपद के अलग-अलग थानों में चोरी, नकबजनी, एनडीपीएस तथा गौकशी के कई मुकदमें दर्ज हैं, जिसमें आरोपी पूर्व में भी जेल जा चुके हैं।

एक नजर

मदरसों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उत्तराखंड में मदरसों पर हो रही कार्रवाई के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। राज्य सरकार बिना किसी मान्यता के चल रहे मदरसों को बंद कर रही है। इसके खिलाफ जमीयत उलेमा ए हिंद ने आवेदन दाखिल किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे देश भर के मदरसों को लेकर पहले से लंबित याचिका के साथ जोड़ लिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने शुरू में कहा कि मदरसों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षा के अधिकार कानून की स्थिति या उनकी फंडिंग को लेकर जानकारी मांगने में कुछ गलत नहीं दिखता। अगर याचिकाकर्ता को कोई समस्या है, तो वह हाई कोर्ट जा सकता है। जमीयत के लिए पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने इसका विरोध करते हुए पिछले साल आए सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला दिया। कपिल

सिब्बल ने जिस आदेश की बात कही, उसे 21 अक्टूबर 2024 को तत्कालीन चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमीयत उलेमा ए हिंद की ही याचिका पर दिया था। उस आदेश में कोर्ट ने यूपी के गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के सभी छात्रों को स्कूलों में ट्रांसफर करने की कार्रवाई पर रोक लगाई थी। कोर्ट ने सरकारी अनुदान वाले मदरसों से गैर मुस्लिम छात्रों को हटाने के राज्य सरकार के फैसले पर भी रोक लगाई थी। यूपी सरकार की इस कार्रवाई का आधार राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तरफ से जून, 2024 में सभी राज्यों के लिए आया एक निर्देश था। कोर्ट ने उस निर्देश पर भी रोक लगा दी थी। कपिल सिब्बल ने जजों को बताया कि इस मामले में सभी राज्यों को नोटिस भेजा गया था। इस पर आगे सुनवाई होनी है। अब उत्तराखंड के मामले के लिए हाई कोर्ट जाने के लिए कहना सही नहीं होगा। कपिल सिब्बल की इस दलील को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने कहा कि वह इस आवेदन को मुख्य मामले के साथ सुनेंगे।

सब ट्रक और बस होनी चाहिए एसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बस हादसों में लोगों की होने वाली मौत पर चिंता जताते हुए बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि अब यूरोपीय मानक वाली बसें परिचालित किये जाने और हथौड़ेछाप बसें संचालित नहीं होने देने को सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल

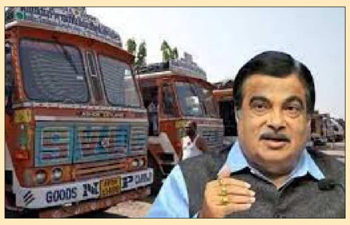

के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए, देश के कई हिस्सों में विनिर्मित होने वाली उन बसों का उल्लेख किया जो सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता नहीं हैं। गडकरी ने कहा, अब देश में यूरोपीय मानक वाली बसें चलेंगी, हथौड़ेछाप बसें नहीं चलेंगी। उन्होंने ट्रक चालकों की सुरक्षा को लेकर कहा, अब हमारे विभाग ने तय किया है कि कोई भी ट्रक एयरकंडीशन के केबिन के बिना (परिचालन के लिए) नहीं आएगा। अगर यहां (लोकसभा में) एसी नहीं होता, तो हमारी हालत क्या होती। इसलिए, हमने इसे (ट्रकों में एसी वाले केबिन) को अनिवार्य बनाया है। मंत्री ने यह भी कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान करने की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की जरूरत है।

अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे सुप्रीम कोर्ट के सभी जज

नई दिल्ली । ज्यूडीशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है। 1 अप्रैल को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है। जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डीटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि, वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी। सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30

जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि, इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे। कैश मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया।

लापरवाह ड्राइवर कंडक्टर को किया जायेगा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के पदाधिकारियों ने सीओ अनिल जोशी से मिल डग्गामार बस चालक व परिचालक के खिलाफ ज्ञापन सौंपा जिसपर सीओ ने बस सीज कर चालक परिचालक की गिरफ्तारी के आदेश दिये।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन के पदाधिकारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने सीओ सिटी अनिल जोशी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि 30 मार्च की रात्रि में संगठन सचिव अवधेश शर्मा की पत्नी कल्पना शर्मा लक्ष्मी होलीडे प्राइवेट लिमिटेड की बस में ऊपरी बर्थ पर यात्रा कर रही थी।

बस ड्राइवर की खतरनाक ड्राइविंग के कारण वे नीचे की सीटों पर आ गिरी जिससे इनको नाक और सर में गंभीर चोटें आने से अत्यधिक खून बहा और ये

बेहोश हो गई। बार बार चीखने पर भी बस ड्राइवर ने बस नहीं रोकी। बेहोशी की हालत में इन्हें दून के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जोशी द्वारा ज्ञापन पर संबंधित बस को तत्काल सील कर वाहन चालक को गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिष्टमंडल में राजकीय पेंशनर संगठन के चौधरी ओमवीर सिंह, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कल्याण समिति की मुकेश नारायण शर्मा, रेजिडेंट वेलफेयर फ्रंट के देवेंद्र पाल मोंटी, उत्तराखंड पेंशनर्स समन्वय समिति के ठाकुर शेर सिंह,संयुक्त नागरिक संगठन के अवधेश शर्मा, आंदोलनकारी तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के मोहनसिंह खत्री, रोड सेफ्टी अभियान की उमेश्वर सिंह रावत, उत्तराखंड अगेंस्ट करप्शन के सुशील सैनी, सोशल जस्टिस संगठन की आशा लाल,तपोवन विकास समिति के वेदांत शर्मा,अनु त्रिपाठी,डॉक्टर तान्या शर्मा,अभिषेक, सीमा शुक्ला, खुशी शुक्ला, खुशवीर सिंह, प्रकाश नागिया आदि शामिल थे।

पुलिस ने वारंटी को रेवाड़ी, हरियाणा से किया गया गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। वांछित/वारण्टी एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस की टीम द्वारा न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्तरकाशी द्वारा धारा 138 एनआई एक्ट के मामले में घोषित वारण्टी मुकेश कुमार पुत्र मुंशी राम ग्राम करनावास, रेवाड़ी, हरियाणा को रेवाड़ी हरियाणा से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सीएम से शिकायत करने वाला शराब अधिकारी गायब

हमारे संवाददाता

चमोली। डीएम की शिकायत सीएम से करने वाला शराब अधिकारी लापता हो गये है। मामले में राजस्व उप निरीक्षक चन्द्र सिंह बुटोला की ओर से थाना गोपेश्वर में उनकी गुमशुदगी दर्ज करा दी गयी है। जिसकी जांच में पुलिस जुट गयी है।

बता दें कि शराब के ठेकों के आवंटन को लेकर डीएम और आबकारी अधिकारी दुर्गेश्वर कुमार त्रिपाठी में विवाद हो गया था। जिले के दो ठेके बिना डीएम के संज्ञान में लाये आवंटित कर दिए थे। डीएम का कहना है कि सीधे आबकारी आयुक्त हरि सेमवाल से ठेकों का आवंटन करा दिया गया। जबकि फाइल उनके माध्यम से जानी चाहिए थी। मामले में झगड़ा इतना बढ़ा कि आबकारी अधिकारी ने सीधे सीएम को पत्र लिख कर न्याय की गुहार लगा डाली। वही डीएम संदीप तिवारी ने भी शासन को पत्र भेज आबकारी अधिकारी के निलंबन की संस्तुति कर दी गयी। वहीं 31 मार्च से लापता आबकारी अधिकारी की तलाश में पुलिस जुट गई है।

वक्फ बिल पर नेताओं में घमासान

देश के समाज को तोड़ने में जुटी है भाजपाः हरीश

राष्ट्रहित के मुद्दों पर कांग्रेस का गैर वाजिब आलापः निशंक

विशेष संवाददाता

देहरादून/नई दिल्ली। एक तरफ देश की संसद में बहुचर्चित वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा जारी है तो वहीं दूसरी तरफ इस बिल को लेकर भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है जिससे उत्तराखंड भी अछूता नहीं है।

बीते कल लोकसभा में पेश किया गया वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पास हो गया। देर रात हुए मत विभाजन में बिल के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े। इस बिल के लोकसभा में पास होने के बाद सोनिया गांधी ने इसे सरकार की जबरदस्ती और लोकतंत्र की हत्या करार दिया था। इस बिल को लेकर देश भर के मुस्लिम नेता और संगठनों द्वारा इसका विरोध करते हुए यह कहा जा रहा है कि सरकार इसके जरिए मुसलमान को खत्म करना चाहती है और वह अब इसके विरोध में सर्वोच्च न्यायालय की शरण में जाएंगे। उल्लेखनीय है कि यह बिल लोकसभा में विपक्ष द्वारा दिए गए सुझावों को नकारते हुए पास किया गया है तथा चंद्रबाबू की टीडीपी व नीतीश कुमार जदयू के द्वारा इसका समर्थन करने से यह बिल पास हो सका है।

इस बिल को लेकर उत्तराखंड से लेकर अन्य तमाम राज्यों में भी भाजपा और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि भाजपा देश के

❑राज्यसभा में बिल पेश, चर्चा जारी, लोकसभा में पास

समाज को तोड़ने और बांटने में जुटी हुई है। भाजपा के द्वारा एक सुनियोजित तरीके से अभियान चलाया जा रहा है कभी मजार और मदरसों को अवैध बता कर तोड़ा जाता है तो कभी वक्फ बिल लाकर मुसलमानों के अधिकारों को छीनने की कोशिशे की जाती है। उनका कहना है कि भाजपा इसके सहारे अपना हिंदुत्व का नरेशन सेट करने में जुटी हुई है। हरीश रावत कि इस टिप्पणी पर पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल ने पलटवार करते हुए कहा है कि विपक्ष का काम क्या है सरकार के हर काम का विरोध करना और हो हल्ला मचाना। उन्हें हंगामा करने दीजिए उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखकर काम कर रही है। आज राज्यसभा में बिल पारित होते ही सब शांत हो जाएंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।